

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम पैन ल मासिक

दिनांक 21-6-2019.. पृष्ठ सं...6..... कॉलम 1-5.....

सुविधा • कुलपति प्रो. केपी सिंह की धर्मपली डॉ. संजेश सिंह ने किया 10 सेनेटरी नैपकिन वैडिंग मशीनों का उद्घाटन
एचएयू के 4 हॉस्टल्स में छात्राओं को फ्री मिलेंगे सेनेटरी पैड

भारती न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) ने अपने परिसर के 4 छात्रावासों में 10 स्वचालित सेनेटरी नैपकिन वैडिंग मशीन लगाई हैं। इन मशीनों से छात्राएं बिना किसी खर्चे के सेनेटरी नैपकिन पैड ले सकती हैं।

इसके साथ ही 10 इन्सिनरेटर भी लगाए गए हैं जो वेस्ट को निस्तारित करने का काम करेंगे। दरअसल, एचएयू के गंगोत्री, नर्मदा, इंटरनेशनल और साई के महिला छात्रावास में सबसे पहले यह सुविधा दी जाएगी। इसे ओएल एड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन (ओएनजीसी) के आर्थिक सहयोग से बुमन चिल्ड्रन



एचएयू के छात्रावास में सेनेटरी नैपकिन वैडिंग मशीन का बटन दबाकर शुभारंभ करती मुख्य अतिथि डॉ. संजेश सिंह।

वेलफेयर एंड रूरल डिवेलपमेंट सोसायटी (डब्ल्यूएआरडीएस) के माध्यम से लगाया गया है। मशीनों का उद्घाटन कुलपति प्रो. केपी सिंह की धर्मपली एवं लेडीज कलब की चेयरपर्सन डॉ. संजेश सिंह ने किया।

50 प्रतिशत महिलाएं अभी नैपकिन से दूर: पदाधिकारियों ने कहा कि स्वस्थ तन में स्वस्थ मन का निवास होता है। एक सर्वे के अनुसार 50-60 प्रतिशत महिलाएं अभी भी सेनेटरी नैपकिन पैड का प्रयोग नहीं कर रही हैं। सेनेटरी

नैपकिन पैड आज हर महिला एवं छात्रा की जरूरत है। उन्होंने छात्राओं का आह्वान करते हुए कहा कि वह खुद स्वस्थ रहें व आसपास की महिलाओं में जागरूकता बढ़ाए एवं इसकी महत्ता से अवगत कराएं।

चुप्पी तोड़ो और इस बारे में खुलकर बात करो

गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. विमला ढांडा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस अवसर पर बुमन चिल्ड्रन वेलफेयर एंड रूरल डिवेलपमेंट सोसायटी की निदेशिका एवं सक्रेटरी डॉ. श्वेता लड़ा ने बहुत ही प्रेरणादायक एवं सुंदर शब्दों से छात्राओं को समाज सेवा करने के लिए प्रेरित किया और कहा कि चुप्पी तोड़ो और इसके बारे में खुलकर बात करो। छात्र कल्याण विभाग की सह-निदेशिका डॉ. मंजु महता ने सभी अतिथियों का धन्यवाद किया। इस कार्यक्रम को छात्रावास की सभी बार्डन व छात्राएं उपस्थित रहीं।

चौथरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दौरा मुख्य
दिनांक २१.६.२०१९ पृष्ठ सं. १६ कॉलम २५

हकूमि में फ्री में गिलेंगे सैनिटरी नैपकिन

हरियाणी न्यूज | हिसार

हकूमि के गंगोत्री, नर्मदा, इंटरनेशनल व साई के महिला

■ गंगोत्री, नर्मदा और साई हॉस्टल में 10 वेंडिंग मशीन लगाई आर्थिक सहयोग से उमन चिल्डन वेलफेयर

एड रूरल डेवलपमेंट सोसायटी डब्ल्यूएआरडीएस ने 10 स्वाच्छालित सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन एवं 10 इंसिनेटर लगवाए जिनमें फ्री नैपकिन डिस्ट्रिब्यूशन होगा।

इन मशीनों का उद्घाटन कुलपति प्रो. के.पी. सिंह की धर्मपत्नी एवं लेडीज क्लब की चेयरपरसन डॉ. संजेश सिंह ने किया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने



हिसार। वेंडिंग मशीन का उद्घाटन करते मुख्य अधिकारी डॉ. संजेश सिंह।

छात्राओं को स्व छाता के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि स्वस्थ नैपकिन का प्रयोग नहीं कर रही हैं। तन में स्वस्थ मन का निवास होता है। उन्होंने कहा एक सब्जें के अनुसार

50-60 महिलाएं अभी भी सैनिटरी नैपकिन का प्रयोग नहीं कर रही हैं। सैनिटरी नैपकिन आज हर महिला एवं छात्रा की जरूरत है। उन्होंने

छात्राओं का आहवान करते हुए कहा कि वह खुद स्वस्थ रहें व आसपास की महिलाओं में जागरूकता बढ़ाए एवं इसकी महत्व से अवगत कराए।

गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. विमला ढांडा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस अवसर पर बुमन चिल्डन वेलफेयर एड रूरल डेवलपमेंट सोसायटी की निदेशिका एवं सेक्रेटरी डॉ. श्रेता लहड़ा ने बहुत ही प्रेरणादायक एवं सुंदर शब्दों से छात्राओं को समाज सेवा करने के लिए प्रेरित किया और कहा कि चुप्पी तोड़ो और महावारी के बारे में खुलकर बात करो। छात्र कल्याण विभाग की सह-निदेशिका डॉ. मंजु महता ने सभी अतिथियों का धन्यवाद किया। इस कार्यक्रम को छात्रावास की सभी वार्डन व छात्राएं उपस्थित थीं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम १५ निकुञ्ज २०१९
दिनांक २१.६.२०१९ पृष्ठ सं. १६ कॉलम ५-६

एचएयू के गल्स्ट हॉस्टल में लगाई 10 स्वचालित सेनेटरी नैपकीन वैंडिंग मशीन



मुख्य अतिथि डा. संजेश सिंह वैंडिंग मशीन का उद्घाटन करती हुई। ● जागरण

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गंगोत्री, नर्मदा, इंटरनेशनल और साई के महिला छात्रावास में ओएल एड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन (ओएनजीसी) के आर्थिक सहयोग से बुमन चिल्डर्न वेलफेयर एड रूरल डेवेलपमेंट सोसायटी ने 10 स्वचालित सैनिटरी नैपकिन वैंडिंग मशीन एवं 10 इन्वर्टर लगवाए जिनमें फ्री नैपकिन डिस्ट्रिब्युशन होगा।

इन मशीनों का उद्घाटन कुलपति प्रो. केपी सिंह की धर्मपत्नी एवं लेडीज व्हलब की चेयरपर्सन डा. संजेश सिंह ने किया। इस मौके पर उन्होंने छात्राओं को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए

कहा कि स्वस्थ तन में स्वस्थ मन का निवास होता है। उन्होंने कहा एक सर्वे के अनुसार 50-60 महिलाएं अभी भी सेनेटरी नैपकिन का प्रयोग नहीं कर रहीं हैं। सेनेटरी नैपकिन आज हर महिला एवं छात्रा की जरूरत है। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डा. विमला ढांडा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस अवसर पर बुमन चिल्डर्न वेलफेयर एड रूरल डेवेलपमेंट सोसायटी की निदेशिका एवं सक्रेटरी डा. श्वेता लड़दा ने बहुत ही प्रेरणादायक एवं सुंदर शब्दों से छात्राओं को समाज सेवा करने के लिए प्रेरित किया और कहा कि चुप्पी तोड़ो और महावारी के बारे में खुलकर बात करो।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ज़मीन
दिनांक .२१.६.२०१९. पृष्ठ सं. ६ कॉलम ७-८



वेंडिंग मशीन का उद्घाटन करतीं मुख्य अतिथि डॉ. संजेश सिंह। अमर उजाला

एचएयू में 10 स्वचालित सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन लगाई

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गंगोत्री, नर्मदा, इंटरनेशनल व साई महिला छात्रावास में बूमन चिल्डर्न वेलफेयर एंड रुरल डबलपर्मेट सोसायटी ने 10 स्वचालित सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन एवं 10 इसिनरेटर लगाए हैं। इनमें फ्री नैपकिन डिस्ट्रीब्यूशन होगा। ये मशीनें ऑयल एंड नेचुरल गैस कारपोरेशन (ओएनजीसी) के सहयोग से लगाए गई हैं। इन मशीनों का उद्घाटन कुलपति प्रो. केपी सिंह की धर्मपत्नी एवं लेडीज क्लब की चेयरपर्सन डॉ. संजेश सिंह ने किया। इस अवसर पर डॉ. संजेश सिंह ने कहा कि स्वस्थ तन में स्वस्थ मन का निवास होता है। उन्होंने कहा कि एक सर्वे के अनुसार 50-60 प्रतिशत महिलाएं अभी भी सेनेटरी नैपकिन का प्रयोग नहीं कर रही हैं। सेनेटरी नैपकिन आज हर महिला एवं छात्रा की जरूरत है। उन्होंने छात्राओं से आव्वान किया कि वह खुद स्वस्थ रहें व आसपास की महिलाओं में जागरूकता बढ़ाए और सेनेटरी नैपकिन की महत्ता से अवगत कराएं। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. विमला ढांडा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस अवसर पर बूमन चिल्डर्न वेलफेयर एंड रुरल डबलपर्मेट सोसायटी की निदेशिका एवं सेनेटरी डॉ. श्वेता ने छात्राओं को समाजसेवा करने के लिए प्रेरित किया और कहा कि चुप्पी तोड़ो और माहवारी के बारे में खुलकर बात करो। छात्र कल्याण विभाग की सह-निदेशिका डॉ. मंजू मेहता ने अतिथियों का धन्यवाद किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम नंगा दो
दिनांक २०.६.२०१७ पृष्ठ सं. ४ कॉलम ।-५

'चुप्पी तोड़ो और महावारी के बारे में खुलकर बात करो'

ओएनजीसी ने
हकूमि के महिला
छात्रावासों में
लगाई 10 सैनिटरी
नैपकिन मशीनें

हिसार/20 जून/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गंगोत्री, नर्मदा, इंटरनेशनल व साई के महिला छात्रावास में ऑयल एड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन (ओएनजीसी) के अर्थिक सहयोग से बुमन चिल्डर्न वैलफेयर एड रूरल डैवलपमेंट सोसायटी (डब्ल्यूएआरडीएस) ने 10 स्वाचालित सैनिटरी नैपकिन वेन्डिंग मशीन एवं 10 इन्सिनरेटर लगवाए जिनमें फ्री नैपकिन डिस्ट्रिब्युशन होगा। इन मशीनों का उद्घाटन कुलपति प्रो. केपी सिंह की धर्मपत्नी एवं लेडीज बलब की चेयरपर्सन डॉ. संजेश



सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ तन में स्वस्थ मन का निवास होता है। उन्होंने कहा एक सर्वे के अनुसार 50-60 प्रतिशत महिलाएं अभी भी सैनिटरी नैपकिन का प्रयोग नहीं कर रही हैं। सैनिटरी नैपकिन आज हर महिला एवं छात्रा की जरूरत है। उन्होंने छात्राओं का आह्वान करते हुए कहा कि वह

खुद स्वस्थ रहें व आसपास की महिलाओं में जागरूकता बढ़ाएं एवं इसकी महत्व से अवगत कराएं। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. विमला ढांडा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस अवसर पर बुमन चिल्डर्न वैलफेयर एंड रूरल डैवलपमेंट सोसायटी एवं सेक्रेटरी डॉ.

श्वेता लइदा ने बहुत ही प्रेरणादायक एवं सुंदर शब्दों से छात्राओं को समाज सेवा करने के लिए प्रेरित किया और कहा कि चुप्पी तोड़ो और महावारी के बारे में खुलकर बात करो। छात्र कल्याण विभाग की सह-निदेशिका डॉ. मंजु महता ने सभी अतिथियों का धन्यवाद किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

भैती फॉर्म स०१२

समाचार-पत्र का नाम
दिनांक २०. ६. २०१९ पृष्ठ सं. १ कॉलम ३-५

सैनिटरी नैपकिन आज हर महिला एवं छात्रा की जरूरतः डा. संजेश

हिसार : 20 जून चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गंगोत्री, नर्मदा, इंटरनेशनल व साईं के महिला छात्रावास में ओएल एड नेचुरल गैंस कॉर्पोरेशन (ओएनजीसी) के आर्थिक सहयोग से बुमन चिल्डर्न वेलफेयर एड रूरल डेवलपमेंट सोसायटी (डब्ल्यूएआरडीएस) ने 10 स्वाचालित सैनिटरी नैपकिन वेन्डिंग मशीन एवं 10 इन्सिनरेटर लगवाए जिनमें फ्री नैपकिन डिस्ट्रिब्युशन होगा।

इन मशीनों का उद्घाटन कुलपति प्रौ. के.पी. सिंह की धर्मपत्नी एवं लेडीज ब्लब की चेयरपर्सन डा. संजेश सिंह ने किया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने छात्राओं को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि स्वस्थ तन में स्वस्थ मन का निवास होता है। उन्होंने



कहा एक सर्वे के अनुसार 50-60% महिलाएं अभी भी सैनिटरी कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस नैपकिन का प्रयोग नहीं कर रहीं अवसर पर बुमन चिल्डर्न हैं। सैनिटरी नैपकिन आज हर वेलफेयर एंड रूरल डेवलपमेंट महिला एवं छात्रा की जरूरत है। सोसायटी की निदेशिका एवं उन्होंने छात्राओं का आहवान करते सेक्रेटरी डा. श्वेता लाइदा ने बहुत हुए कहा कि वह खुद स्वस्थ रहें व आसपास की महिलाओं में जागरूकता बढ़ाए एवं इसकी लिए प्रेरित किया और कहा कि महता से अवगत कराएं। चुप्पी तोड़ी और महावारी के बारे गृह विज्ञान महाविद्यालय की में खुलकर बात करो।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम रिटी पत्स
दिनांक २०.६.२०१५ पृष्ठ सं. ५ कॉलम ५.८

एचएयू के महिला छात्रावास में डब्ल्यूएआरडीएस ने 10 स्वाचालित सैनिटरी नैपकिन वेन्डिंग मशीन एवं 10 इन्सिनरेटर लगवाए

सिटी पत्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्राओं, नर्मदा, इटरनेशनल व साईं के महिला छात्रावास में ओएल एड नेचुरल ऐम कॉर्पोरेशन (ओएनजीसी) के आर्थिक सहयोग से बुमन चिल्डन वैलफेयर एड रूरल डेवलपमेंट सोसायटी (डब्ल्यूएआरडीएस) ने 10 स्वाचालित सैनिटरी नैपकिन वेन्डिंग मशीन एवं 10 इन्सिनरेटर लगवाए जिनमें फ्री नैपकिन डिस्ट्रीब्यूशन होगा।

इन मशीनों का उद्घाटन कुलपति प्रो. केपी सिंह की पली एवं लेडीज कल्यान की चेयरपर्सन डॉ. संजेश सिंह ने किया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने छात्राओं को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि स्वस्थ तन में स्वस्थ मन का निवास होता है। उन्होंने कहा एक मर्द के अनुसार 50-60 प्रतिशत महिलाएं अपी भै सैनिटरी नैपकिन का प्रयोग नहीं कर रही हैं। सैनिटरी नैपकिन आज हर महिला एवं छात्रा की ज़रूरत है। उन्होंने छात्राओं का आहवान करते हुए कहा कि वह



हिसार। मुख्य अधिकारी डॉ. संजेश सिंह वेन्डिंग मशीन का उद्घाटन करते हुए।

खुद स्वस्थ रहें व आमपास को महिलाओं में जागरूकता बढ़ाए एवं इसकी महता से अवगत कराएं।

गृह विज्ञान महाविद्यालय को अधिकारी डॉ. विमला द्वादा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस अवसर पर

बुमन चिल्डन वैलफेयर एड रूरल डेवलपमेंट सोसायटी की निदेशिका एवं संकेटरी डॉ. श्वेता लड़ा ने बहुत ही प्रेरणादायक एवं सुंदर शब्दों से छात्राओं को समाज सेवा करने के लिए प्रेरित किया और कहा कि चुप्पी तोड़ी और व छात्राएं उपस्थित थीं।

महावारी के बारे में खुलकर बात करो। छात्र कल्याण विभाग की सह-निदेशिका डॉ. मंजु महता ने सभी अतिथियों का धन्यवाद किया। इस कार्यक्रम को छात्रावास की सभी बांदन व छात्राएं उपस्थित थीं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ५१२४-५४५
दिनांक २०.६.२०१७ पृष्ठ सं. २ कॉलम ५३

एचएयू में सैनिटरी नैपकिन वेन्डिंग मशीन का उद्घाटन

हिसार, 20 जून (निम)
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गंगोत्री, नमंदा, इंटरनेशनल व गांड के महिला छात्राचालास में ओपेल एंड नेक्सल एंड कॉर्पोरेशन (ओएनजीसी) के आर्थिक महायोग में वृमन निलाइ बेलफेरा एंड रुरल ऐवेल्पमेंट सोसायटी (डब्ल्यूएआरटीएस) ने 10 स्वाचालित सैनिटरी नैपकिन वेन्डिंग मशीन एवं 10 इन्सिटरा लगवाए जिनमें से नैपकिन डिम्ब्स्ट्रियूशन होगा। इन मशीनों का उद्घाटन कुलपति प्रो. के.पी. सिंह की समर्पणी एवं लेदीज कल्यान के खेयरपर्सन डॉ. मंजु महता ने किया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने छात्राओं को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि नाराय

तन में स्वस्थ मन का निवास होता है। उन्होंने कहा कि एक मध्ये के अन्यमार 50-60% महिलाएं अभी भी सैनिटरी नैपकिन का प्रयोग नहीं कर रही हैं। सैनिटरी नैपकिन आज हर महिला एवं छात्रा की ज़रूरत है। उन्होंने छात्राओं को आत्माचार करते हुए कहा कि वह यह स्वास्थ रहें व आसायम को महिलाओं में जागरूकता बढ़ाए एवं इसको महत्व में व्यवस्था लगाएं। यह विज्ञान महाविद्यालय की अधिकारी डॉ. विमला हांडा ने कार्यक्रम को अध्यक्षता की। इस अवसर पर वृमन चिल्ड्रन बेलफेरा एंड रुरल ऐवेल्पमेंट सोसायटी को निर्देशिका एवं सेक्रेटरी डॉ. श्वेता लद्दा ने बहुत ही प्रेरणादायक एवं सुंदर शब्दों से छात्राओं को समाजे में करने के लिए प्रेरित किया और कहा कि भूमिका तोड़ी और महावारी के बारे में खुलकर बात करो। छात्र कल्याण विभाग की मह-निर्देशिका



डॉ. मंजु महता ने सभी अतिथियों का धन्यवाद किया। इस कार्यक्रम को छात्राचालास की सभी वाईन ए छात्राएं उपस्थित थीं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम

दैर्घ्यः भूमि

दिनांक 21.6.2019. पृष्ठ सं. 14 कॉलम 2-6

बायोटेकनोलॉजी एंड बायोइंफर्मेटिक्स व टिथु कल्परं पर प्रशिक्षण शिविर आयोजित

ग्लोबल वार्मिंग व दसायनों का अंधाधुंध प्रयोग कृषि के लिए गंभीर चुनौती

हरिभूमि न्यूज़॥ हिसार

हकूमि के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने देश में खाद्यान तथा पोषण सुरक्षा के लिए कृषि अनुसंधानों में बायोटेकनोलॉजी के प्रयोग को बढ़ावा दिए जाने का आह्वान किया है।

डॉ. एसके सहरावत विश्वविद्यालय के मालेकुलर बायोलॉजी, बायोटेकनोलॉजी एंड बायोइंफर्मेटिक्स विभाग हारा बायोटेकनोलॉजी तथा टिथु कल्पर विषयों पर आयोजित दो प्रशिक्षणों के उद्घाटन समारोह पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि घट रही कृषि जोत, ग्लोबल वार्मिंग, क्षीण हो रही भू-उर्वरता, कृषि रसायनों के अधार्युध प्रयोग के साथ अन्य जैविक व अजैविक दबाव कृषि उत्पादन के लिए गंभीर चुनौती उत्पन्न कर रहे हैं। इस परिस्थिति से



हिसार। सीडी का विमोचन करते मुख्य अतिथि डॉ. एसके सहरावत व अन्य

निपटने में जैव प्रौद्योगिकी एक बड़ी क्षमता रखती है। इसके प्रयोग से कृषि उत्पादकता के अतिरिक्त कृषि उत्पादन की शैलक लाइफ और गुणवत्ता में बुद्धि संख्या है। इससे जैविक और अजैविक तनावों से कृषि में उत्पन्न चुनौतियों का सामना किया जा सकता है। इस अवसर पर उन्होंने कोस के मेनुअल

की सीडी का भी विमोचन किया।

उन्होंने कहा टांसजेनिक प्रौद्योगिकी के बहुत सारे फायदे हैं और यह खाद्य व पोषण सुरक्षा प्रदान कर सकती है। फसलों की पैदावार तथा गुणवत्ता बढ़ाने में पौधे प्रजनन की पारस्परिक विधियों के साथ जिनेमिक्स, बायोटेकनोलॉजी तथा मालेकुलर मार्कर तकनीकों का

प्रयोग बहुत उपयोगी साधित हो सकता है। उन्होंने जीनोमिक्स युग में फसलों के सुधारिकरण में बायोइंफर्मेटिक्स की भूमिका पर भी प्रकाश डाला।

बेसिक साइंस कालेज के डॉ. डॉ. राजवीर सिंह तथा यनिवर्सिटी ऑफ मेसाचुसेट्स के प्रोफेसर डॉ. ओपी धनखड़ इस अवसर पर

विशेष अतिथि थे।

डॉ. राजवीर ने समारोह में बोलते हुए समय समय पर इन उपयोगी प्रशिक्षणों के आयोजन के प्रबासी की सराहना की। उन्होंने कृषि में जैव प्रौद्योगिकी की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। डॉ. ओपी धनखड़ ने फसल सुधार में जैव प्रौद्योगिकी के महत्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उपरोक्त प्रशिक्षणों की निदेशक एवं विभागाध्यक्ष डॉ. पृष्ठा खरब ने इन प्रशिक्षणों की विषय वस्तु पर विस्तार से प्रकाश डाला। सुश्री नीरू रेहु ने कार्यक्रम का संचालन किया। जबकि डॉ. नवनीत अहलावत ने धन्वन्तर प्रस्ताव जापित किया। इस मौके पर प्रतिभागियों के अतिरिक्त कॉलेज के विभिन्न विभागों के अध्यक्ष, वैज्ञानिक तथा प्राच्यापक उपस्थित थे। इन दोनों प्रशिक्षणों में कुल 42 प्रशिक्षार्थी भाग ले रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम 'अमृत उजाला'
दिनांक २१.६.२०१९ पृष्ठ सं. ६ कॉलम १-५

शिविर

एचएयू में बायोटेक्नोलॉजी तथा टिश्यू कल्चर विषयों पर प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन

कृषि अनुसंधानों में बायोटेक्नोलॉजी को दें बढ़ावा : डॉ. सहरावत

अमर उजाला छ्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने देश में खाद्यान्न और पोषण सुरक्षा के लिए कृषि अनुसंधानों में बायो टेक्नालॉजी के प्रयोग को बढ़ावा दिए जाने का आव्याप्त किया।

डॉ. सहरावत विश्वविद्यालय के मालेकुलर बायोलॉजी, बायोटेक्नोलॉजी एंड बायोइंफॉर्मेटिक्स विभाग द्वारा बायो टेक्नालॉजी और टिश्यू कल्चर विषयों पर आयोजित दो प्रशिक्षणों के बीच वार्ता को उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। बैंसिक साइंस कालेज के डीन डॉ. राजवीर सिंह और यूनिवर्सिटी ऑफ मेसाचुसेट्स के प्रोफेसर डॉ. ओपी धनखड़ इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

डॉ. सहरावत ने कहा कि घट रही कृषि जोत, ग्लोबल वार्मिंग, क्षीण हो रही भू-उर्वरता, कृषि रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग के साथ अन्य जैविक व अजैविक दबाव



सीडी का विमोचन करते मुख्य अतिथि डॉ. एसके सहरावत व अन्य। अमर उजाला

कृषि उत्पादन के लिए गंभीर चुनौती उत्पन्न कर रहे हैं। इस परिस्थिति से निपटने में जैव प्रौद्योगिकी एक बड़ी क्षमता रखती है। इसके प्रयोग से कृषि उत्पादकता के अतिरिक्त कृषि उत्पादन की शेल्फ लाइफ और गुणवत्ता में बढ़ि द संभव है। इससे जैविक और अजैविक तनावों से कृषि में उत्पन्न चुनौतियों का सामना किया जा सकता है। इस अवसर पर उन्होंने कोर्स

के मैनुअल की सीडी का भी विमोचन किया। उन्होंने कहा ट्रांसजेनिक प्रौद्योगिकी के बहुत सारे कायदे हैं और यह खाद्य व पोषण सुरक्षा प्रदान कर सकती है। फसलों की पैदावार और गुणवत्ता बढ़ाने में पौध प्रजनन की पारंपरिक विधियों के साथ जिनोमिक्स, बायो टेक्नालॉजी और मालेकुलर मार्कर तकनीकों का प्रयोग बहुत उपयोगी साबित हो सकता है। उन्होंने

मालेकुलर बायोलॉजी, बायोटेक्नोलॉजी, बायोइंफॉर्मेटिक्स विभाग ने किया आयोजन

42 प्रशिक्षणार्थी ले रहे हैं दोनों शिविरों में भाग

जीनोमिक्स युग में फसलों के सुधारीकरण में बायोइंफॉर्मेटिक्स की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। डॉ. राजवीर सिंह ने कृषि में जैव प्रौद्योगिकी की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की, जबकि डॉ. ओपी धनखड़ ने फसल सुधार में जैव प्रौद्योगिकी के महत्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

उपरोक्त प्रशिक्षणों की निदेशिका एवं विभागाध्यक्ष डॉ. पुष्पा खरब ने इन प्रशिक्षणों की विषय वस्तु पर प्रकाश डाला। नीरु रेडू ने कार्यक्रम का संचालन किया, जबकि डॉ. नवनीत अहलावत ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। इस मौके पर प्रतिभागियों के अतिरिक्त कॉलेज के विभिन्न विभागों के अध्यक्ष, वैज्ञानिक तथा प्राच्यापक उपस्थित थे। इन दोनों प्रशिक्षणों में कुल 42 प्रशिक्षणार्थी भाग ले रहे हैं। इस मौके पर विषय से संबंधित एक सीडी का भी विमोचन किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम फैनल मैट्टर
 दिनांक २।।.....६.....२०१९ पृष्ठ सं. ५ कॉलम ६-८

कम हो रही उपजाऊ शक्ति, रसायनों का प्रयोग की समस्या से निपटने के लिए जैव प्रौद्योगिकी जरूरी बायोटेक्नोलॉजी और टिशू कल्चर विषयों पर दो दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

हिसार। एचएयू में मालेकुलर बायोलॉजी, बायोटेक्नोलॉजी एंड बायोइन्फॉर्मेटिक्स विभाग द्वारा बायोटेक्नोलॉजी तथा टिशू कल्चर विषयों पर दो दिवसीय प्रशिक्षण शुरू हुआ। इन दोनों प्रशिक्षणों में कुल 42 प्रशिक्षार्थी हिस्सा ले रहे हैं। इसका शुभारंभ रिसर्च डायरेक्टर डॉ. एस.के. सहरावत ने किया। उन्होंने देश में खाद्यान तथा पोषण सुरक्षा के लिए कृषि अनुसंधानों में बायोटेक्नोलॉजी के प्रयोग को बढ़ावा दिए जाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि घट रही कृषि जौत, ग्लोबल वार्मिंग, क्षीण हो रही भू-उर्वरता, कृषि रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग के साथ अन्य जैविक व अजैविक दबाव कृषि उत्पादन के लिए



एचएयू में प्रशिक्षण के दौरान सीडी का विमोचन करते मुख्य अतिथि डॉ. एस.के. सहरावत व अन्य

गंभीर चुनौती उत्पन्न कर रहे हैं। इस परिस्थिति से निपटने में जैव प्रौद्योगिकी एक बड़ी क्षमता रखती है। इसके प्रयोग से कृषि उत्पादन की शैलफ लाइफ और गुणवत्ता में बढ़ि भवित है। इस अवसर पर उन्होंने कॉर्स के मेनुअल की सीडी का भी विमोचन किया। बेसिक साइंस

कॉलेज के डीन डॉ. राजवीर सिंह तथा यूनिवर्सिटी ऑफ मेसाचुसेट्स के प्रोफेसर डॉ. ओपी धनखड़ इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि रहे। विभागाध्यक्ष डॉ. पुष्पा खरब, नीरु रेडू, डॉ. नवनीत अहलावत आदि उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम जैविक उत्पादन
 दिनांक २१. ६. २०१७ पृष्ठ सं. १९ कॉलम ६-७

कृषि रसायनों का अंधाधुंध प्रयोग गंभीर समस्या

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डा. एसके सहरावत ने देश में खाद्यान और पोषण सुरक्षा के लिए कृषि अनुसंधानों में बायोटेक्नोलॉजी के प्रयोग को बढ़ावा दिए जाने का आह्वान किया है।

डा. सहरावत जोकि विश्वविद्यालय के मालेकुलर बायोलॉजी, बायोटेक्नोलॉजी एंड बायोइन्फैटिक्स विभाग हांग बायोटेक्नोलॉजी और टिशू कल्चर विषयों पर आयोजित दो प्रशिक्षणों के उद्घाटन समारोह पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि घट रही

कृषि जोत, ग्लोबल वार्मिंग, क्षीण हो रही भू-उर्वरता, कृषि रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग के साथ अन्य जैविक व अजैविक दबाव कृषि उत्पादन के लिए गंभीर चुनौती उत्पन्न कर रहे हैं। इस परिस्थिति से निपटने में जैव प्रौद्योगिकी एक बड़ी क्षमता रखती है। इसके प्रयोग से कृषि उत्पादकता के अतिरिक्त कृषि उत्पादन की शेल्फ लाइफ और गुणवत्ता में वृद्धि संभव है। इससे जैविक और अजैविक तनावों से कृषि में उत्पन्न चुनौतियों का सामना किया जा सकता है। इस अवसर पर उन्होंने कोर्स के मैनुअल की सीडी का भी विमोचन किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम नं. भ. चौर
दिनांक २०. ६. २०१९ पृष्ठ सं. ६ कॉलम ।-५

जैविक व अजैविक दबाव कृषि उत्पादन के लिए गंभीर चुनौती उत्पन्न कर रहे हैं : सहरावत

हिसार/ 20 जून/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने देश में खाद्यान तथा पोषण सुरक्षा के लिए कृषि अनुसंधानों में बायोटेक्नोलॉजी के प्रयोग को बढ़ावा दिए जाने का आह्वान किया है। डॉ. सहरावत जोकि विश्वविद्यालय के मॉलिक्युलर बायोलॉजी, बायोटेक्नोलॉजी एंड बायोइन्फॉर्मेटिक्स विभाग द्वारा बायोटेक्नोलॉजी तथा टिशू कल्चर विषयों पर आयोजित दो प्रशिक्षणों के उद्घाटन समारोह पर बताए मुख्य अतिथि बोल रहे थे, ने कहा कि घट रही कृषि जोत, ग्लोबल वार्मिंग, क्षीण हो रही भू-उर्वरता, कृषि रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग के साथ अन्य जैविक व अजैविक दबाव कृषि उत्पादन के लिए गंभीर चुनौती उत्पन्न कर रहे हैं। इस परिस्थिति से निपटने में जैव प्रौद्योगिकी एक बड़ी क्षमता रखती है। इसके प्रयोग से कृषि उत्पादकता के अतिरिक्त कृषि उत्पादन की सेल्फ लाइफ और गुणवत्ता में बृद्धि संभव है। इससे जैविक और अजैविक तनावों से कृषि में उत्पन्न चुनौतियों का सम्भन्न किया जा सकता है। इस अवसर पर उन्होंने कोर्स के मेनुअल की सीडी का भी विमोचन किया। उन्होंने कहा ट्रांसजेनिक प्रौद्योगिकी के बहुत सारे फायदे हैं और यह खाद्य व पोषण सुरक्षा प्रदान कर सकती है। फसलों की पैदावार तथा गुणवत्ता बढ़ाने में पौध प्रजनन की पारम्परिक विधियों के साथ जिनोमिक्स, बायोटेक्नोलॉजी तथा मॉलिक्युलर मार्कर तकनीकों का प्रयोग बहुत उपयोगी साबित हो सकता है। उन्होंने जीनोमिक्स युग में फसलों के सुधारीकरण में बायोइन्फॉर्मेटिक्स को भूमिका पर भी प्रकाश डाला। वेसिक साइंस कॉलेज के डीन डॉ. राजवीर सिंह ने समारोह में बोलते हुए समय समय पर इन उपयोगी प्रशिक्षणों के आयोजन के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कृषि में जैव प्रौद्योगिकी की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। यूनिवर्सिटी ऑफ मेसाचुसेट्स के प्रोफेसर डॉ. ओपी धनखड़ ने फसल सुधार में जैव प्रौद्योगिकी के महत्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उपरोक्त प्रशिक्षणों की निदेशिका एवं विभागाध्यक्ष डॉ. पुष्पा खरब ने इन प्रशिक्षणों की विषय वस्तु पर प्रकाश डाला। सुश्री नीरु रेडू ने कार्यक्रम का संचालन किया जबकि डॉ. नवनीत अहलावत ने घन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। इन दोनों प्रशिक्षणों में कुल 42 प्रशिक्षार्थी भाग ले रहे हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

~~१२ जून २०१९~~

समाचार-पत्र का नाम
दिनांक २०.६.२०१९ पृष्ठ सं. ५ कॉलम ६-७

कृषि अनुसंधानों में बायोटैक्नोलॉजी के प्रयोग को बढ़ावा दिया जाए : डा. सहरावत

हिसार : 20 जून चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने देश में खाद्यान तथा पोषण सुरक्षा के लिए कृषि अनुसंधानों में बायोटैक्नोलॉजी के प्रयोग को बढ़ावा दिए जाने का आह्वान किया है।

डॉ. सहरावत जोकि विश्वविद्यालय के मालेकुलर बायोलॉजी, बायोटैक्नोलॉजी एंड

बायोइन्फॉर्मेटिक्स विभाग द्वारा बायोटैक्नोलॉजी तथा टिशू कल्चर विषयों पर आयोजित दो प्रशिक्षणों के उद्घाटन समारोह पर बतौर मुख्य अंतिथिं बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि यह रही कृषि जोत, ग्लोबल वार्मिंग, क्षीण हो रही भू-उत्वंरता, कृषि रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग के साथ अन्य जैविक व



अंजैविक दबाव कृषि उत्पादन के लिए गंभीर चुनौती उत्पन्न कर रहे हैं। इस परिस्थिति से निपटने में जैव प्रौद्योगिकी एक बड़ी क्षमता रखती है। इसके प्रयोग से कृषि उत्पादकता के अतिरिक्त कृषि उत्पादन की शेल्फ लाइफ और गुणवत्ता में वृद्धि संभव है। इससे जैविक और अंजैविक तनावों से कृषि में उत्पन्न चुनौतियों का सामना किया जा सकता है। इस अवसर पर उन्होंने कोसं के मेनुअल की सीडी का भी विमोचन किया।

उन्होंने कहा ट्रांसजेनिक प्रौद्योगिकी के बहुत सारे फायदे हैं और यह खाद्य व पोषण सुरक्षा प्रदान कर सकती हैं। फसलों की पैदावार तथा गुणवत्ता बढ़ाने में पौध प्रजनन की पारम्परिक विधियों के साथ जिनोमिक्स, बायोटैक्नोलॉजी तथा मालेकुलर मार्कर तकनीकों का प्रयोग बहुत उपयोगी साबित हो सकता है। उन्होंने जीनोमिक्स युग में फसलों के सुधारीकरण में बायोइन्फॉर्मेटिक्स की भूमिका पर भी प्रकाश डाला।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम सिंही पत्र
दिनांक २६.६.२०१९ पृष्ठ सं. ३ कॉलम १-५

कार्यक्रम

हक्कि में बायोटेक्नोलॉजी तथा टिशू कल्चर विषयों पर आयोजित दो प्रशिक्षण शुरू

घट रही कृषि जोत व कृषि रसायनों का अंदाधुंध प्रयोग कृषि उत्पादन के लिए गंभीर चुनौती: डॉ. सहरावत

मिट्टी पल्म न्यूज़, हिसार।
हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एम्से सहरावत ने देश में खाद्यान तथा पोषण सुरक्षा के लिए कृषि अनुसंधानों में बायोटेक्नोलॉजी के प्रयोग को बढ़ावा दिए जाने का आल्हान किया है।

डॉ. सहरावत जौकि विश्वविद्यालय के मालेकुलर बायोलॉजी, बायोटेक्नोलॉजी एंड बायोइंफैटिक्स विभाग द्वारा बायोटेक्नोलॉजी तथा टिशू कल्चर विषयों पर आयोजित दो प्रशिक्षणों के उद्घाटन समारोह पर बौद्धि पूर्ण अंतिम बोल थे, ने कहा कि घट रही कृषि जोत, स्तोब्ल वार्षिक, थोड़ा ही रही धू-उत्पर्य, कृषि रसायनों के अधिक प्रयोग के साथ अन्य जौकि



हिसार। सीढ़ी का विमोचन करते मुख्य अधिकारी डॉ. एम्से सहरावत व अन्य।

व अंतिमिक दबाव कृषि उत्पादन के लिए गंभीर चुनौती उत्पन्न कर रहे हैं। इस प्रशिक्षण से निपटने में जैव

प्रौद्योगिकी एक बड़ी कमता रहती है। इसके प्रयोग से कृषि उत्पादकता के अतिरिक्त कृषि उत्पादन की नेटवर्क लाईक और गुणवत्त में बढ़ि भीष्मित है। इससे जैविक और अंतिमिक तनावों से कृषि में उत्तम चुनौतियों का सामना किया जा सकता है। इस अवसर पर उन्होंने कोश के मेनुअल की सौंदरी का भी विमोचन किया।

उन्होंने कहा द्रासजैनिक प्रौद्योगिकी के बहुत सारे प्रयोग हैं और यह मात्र व पोषण सुखा प्रदान कर सकती है।

वैसीक माइस कलेज के दीन द्वारा गणकार मिल तथा यूनिवर्सिटी ऑफ पैसान्स्युलर्स के प्रोफेसर डॉ. ओपी भनसप्तु द्वारा अवसर पर विशेष अधिकारी थे। डॉ. गणकार ने समारोह

में बोलते हुए समय समय पर इन उपयोगों प्रशिक्षणों के आयोजन को। उन्होंने कृषि में जैव प्रौद्योगिकी को भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। डॉ. ओपी भनसप्तु ने फसल सुखा में जैव प्रौद्योगिकी के महत्व पर प्रतिपादित कराया।

प्रशिक्षणों की निर्देशिका एवं विभागाध्यक्ष डॉ. पृष्ठा छावन ने इन प्रशिक्षणों की विषय वस्तु पर प्रकाश डाला। नोए रेहू ने कार्यक्रम का संचालन किया जबकि डॉ. नवनीत अहलावत ने गणकार प्रस्ताव द्वारा प्राप्ति किया। इस प्रशिक्षणों के अतिरिक्त कैलेज के विभिन्न विभागों के अध्यक्ष, वैज्ञानिक तथा प्रायोगिक उपरियत थे। इन दोनों प्रशिक्षणों में कुल 42 प्रशिक्षणीय भाग से थे।